# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
## सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 074
दिनांक 09.07.2021

# आईसीएआर की पिअर मॉनिटरिंग रिव्यू टीम ने जनेकृविवि के शिक्षा अनुसंधान और विस्तार कार्यो की गहन समीक्षा की

## मॉनिटरिंग के आधार पर आईसीएआर एक्रीडियेशन की मान्यता मिलेगी

**जबलपुर 9 जुलाई।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की 5 सदस्यीय पिअर मॉनिटरिंग एण्ड रिव्यू टीम ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर को आगामी 5 वर्षो के लिये आईसीएआर एक्रीडियेशन की मान्यता देने हेतु विभिन्न विभागों की ऑनलाइन समीक्षा की। आईसीएआर की इस टीम के चेयरमेन डॉ. डी.सी. जोशी, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान सहित चार सदस्य डॉ. अनिल कुमार अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय वेल्यानी तिरूवन्तपुरम केरल, डॉ. अशोक कुमार अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, पी.ए.यू. लुधियाना पंजाब, डॉ. अर्नभ जोशी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय उदयपुर राजस्थान, डॉ. के.के. राउत अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय भुवनेश्वर ओडिसा एवं डॉ. के.एम. मंजया रीजनल कोआर्डिनेटर आईएआरआई (सचिव) आदि ने आज दिनभर जनेकृविवि मुख्यालय सहित के कृषि महाविद्यालय जबलपुर एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर, पुस्तकालयों, छात्रावासों, प्रयोगशालाओं, व्यवसायिक योजना एवं विकास इकाई, क्रीड़ागण तथा नवनिर्मित विभिन्न भवनों आदि का सघन वर्चुअल निरीक्षण कर आवश्यक जानकारियां हांसिल की और सामयिक सुझाव एवं दिशा निर्देश दिये। जनेकृविवि के संबंद्ध अन्य जिलों में स्थित कृषि महाविद्यालयों की समीक्षा प्रगति पर है।

इस मौके पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा स्वागत भाषण में टीम के माननीय सदस्यों का अभिवादन किया। तत्पश्चात् अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया। डॉ. खरे ने बताया कि विश्वविद्यालय जहां प्रजनक बीज उत्पादन में देश में अग्रणी है वहीं 260 से भी अधिक फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर कृषि, कृषक और देश की तरक्की में विवि ने बहुत बड़ा और एतिहासिक योगदान दिया है तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थीगण विभिन्न प्रायोगिक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक श्री व्ही.एन. बाजपेयी, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. ए.के. भौमिक, कार्यपालन यंत्री इंजी. एस.एस. गौर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा आदि ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा, प्रशासनिक, वित्त और निर्माण संबंधी उपलब्धियों, जानकारियों, समस्याएं और जरूरतों से टीम को अवगत कराया।

आईसीएआर द्वारा प्रत्येक 5 वर्ष में कृषि विश्वविद्यालयों के कार्यो की समीक्षा की जाती है। कोविड़–19 की वजह से वर्ष 2020 में यह समीक्षा नहीं हो सकी थी, जिसे अब 2021 में किया जा रहा है। समीक्षा के आधार पर कृषि विश्वविद्यालयों को आगामी 5 वर्षो के लिये मान्यता दी जायेगी।

–000–